A–0273

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

MAJY-501

MA Jyotish (MAJY)

(भारतीय ज्योतिष का परिचय एवं इतिहास-01)

Examination, June 2025

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :— यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट :— खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. उत्तरमध्यकालीन ज्योतिशास्त्र का विवेचन कीजिए।
2. कालक्रम के आधार पर ज्योतिष के विकास का उल्लेख कीजिए।
3. सिद्धान्त ज्योतिष की परिभाषा लिखते हुए उसके भेदों का निरूपण कीजिए।
4. आचार्य ब्रह्मगुप्त का परिचय दीजिए।
5. पठित ग्रन्थ के आधार पर होरा ज्योतिष का प्रतिपादन कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट :— खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. पंचस्कन्धात्मक ज्योतिष का उल्लेख कीजिए।
2. आचार्य लगध व उनके कृतित्व का वर्णन कीजिए।
3. संहिता ज्योतिष से आप क्या समझते हैं ?
4. वैदिक ज्योतिष का परिचय दीजिए।
5. लगधप्रोक्त वेदांग ज्योतिष के बारे में लिखिए।
6. नाभस योग एवं अरिष्ट योग का वर्णन कीजिए।
7. वराहमिहिर द्वारा लिखित होराग्रन्थों का परिचय दीजिए।
8. ज्योतिषशास्त्र के प्रमुख अंगों का प्रतिपादन कीजिए।

****